जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 129 प्रभात उदयपुर, सोमवार 13 मार्च, 2023 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

सन् 2020 में, नेपाल के सुदूर पश्चिम में दादेलधुरा जिले के जंगलों में नियमित पैट्रोलिंग के दौरान वन्यकर्मी विष्णु प्रसाद आचार्य ने एक अजीब सी बात सुनी। एक मंदिर के पुजारी ने बताया कि, पहाड़ी के जंगलों में उसने कई बार एक बंगाल टाइगर देखा है। विष्णु को यकीन नहीं हुआ, क्योंकि नेपाल में टाइगर दक्षिणी मैदानों में मिलते हैं, जो कि चुरे रेंज की तलहटी तक है। वहीं, दादेलधुरा का मंदिर महाभारत रेंज, अर्थात् हिमालय के निचले भाग में है, जो कि चुरे रेंज से अधिक ऊँचाई पर है। विष्णु ने सोचा कि, अगर पुजारी ने वाकई में टाइगर देखा था तो इसका अर्थ हुआ कि टाइगर दो पर्वत श्रृंखलाओं के पार तथा अपने ज्ञात आवास से 2000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर विचरण कर रहा है। आचार्य के अनुरोध पर, डब्ल्यु. डब्ल्यु.एफ. के तराई आर्क लैण्डस्केप कार्यक्रम (टी.ए.एल.) ने इस क्षेत्र में मार्च-अप्रेल 2020 में 62 कैमरे लगाए। शोधकर्ता तब हैरान रह गए जब 2511 मीटर की ऊंचाई पर लगे कैमरे में एक टाइगर की तस्वीरें कैद हुईं। नेपाल के लिए यह एक रिकॉर्ड था। यह रिकॉर्ड बाद में पूर्वी नेपाल में टूटा, जब 3,165 मीटर की ऊँचाई पर लगे कैमरा ट्रैप में टाइगर की तस्वीरें कैद हुईं। यह खबर नेपाल में ही नहीं दुनिया भर में फैली। कहा गया कि, जलवायु परिवर्तन की वजह मैदानों में रहने वाले टाइगर, ठंडक की तलाश में ऊंचे पहाड़ी भागों में जाने लगे हैं। एक पूर्व अध्ययन में पूर्वी हिमालय के इस भाग को "क्लाइमेट रिफ्यूज़ियम" के रूप में चिन्हित किया गया है, छोटा सा एक ऐसा क्षेत्र जहां तापमान स्थिर रहता है। कैमरा ट्रैप के नतीजों के अध्ययन में सामने आया कि, दादेलधुरा के जंगल सिर्फ टाइगर के लिए ही नहीं बल्कि कई ऐसे स्तनपायी जीवों के लिए आवश्यक हैं, जो अब तक निचले भागों में ही देखे जाते थे। शोध के मुख्य लेखक और डब्ल्यु.डब्ल्यु.ई. नेपाल के कंचन थापा ने कहा, शोध के दौरान हमें 2,030 मीटर की ऊंचाई पर एक हायना की तस्वीर भी मिली, यह एक रिकॉर्ड है। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह क्षेत्र इतने सारे स्तनपायी वन्य जीवों के लिए अनुकूल बन गया है, इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इसका एक कारण है क्षेत्र का "फॉरेस्ट कवर"। यह वन क्षेत्र 1143 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में फैला है। शोध यह भी बताता है कि, टाइगर के मूल आवास क्षेत्र, दक्षिणी मैदानों में टाइगर आबादी बढ़ गई है इसलिए नई जगह की तलाश कर रहे टाइगरों को ऊँचाई के क्षेत्र रास आ रहे हैं। आचार्य, जो शोध के सहलेखक हैं, ने कहा कि, नेपाल की पहाड़ियों व मैदानों में कनैक्टिविटी अच्छी है इससे टाइगर को घूमने में आसानी होती है।

तेलंगाना में सत्तारूढ बी.आर.एस. ने केन्द्र सरकार के खिलाफ खड़ा किया पोस्टर वॉर

भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) ने पोस्टर में प्र.मंत्री मोदी को ''रावण'' व अमित शाह को वॉशिंग पाउडर निरमा के ''निरमा गर्ल'' के रूप में दर्शाया

- **बी.आर.एस. ने गृह मंत्री अमित शाह के स्वागत में लगे पोस्टर में अन्य दलों से भाजपा में शामिल हुये नेताओं के चेहरे वॉशिंग पाउडर निरमा के ''निरमा गर्ल'' के चेहरों पर लगाकर तेलंगाना में जगह-जगह पोस्टर लगवाये हैं।**
- **पोस्टर में बी.आर.एस. ने तंज कसते हुए पोस्टर के माध्यम से यह कहा है कि, दूसरे दलों से भाजपा में शामिल होने वाले नेता विभिन्न घोटालों से जुड़े होने के बावजूद अब किसी केंद्रीय एजेंसी के छापे का सामना नहीं कर रहे हैं। पोस्टर पर नीचे लिखा है,''अमित शाह का स्वागत''।**

हैदराबाद, 12 मार्च (वार्ता)। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'रावण' करार देकर और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 'स्वागत' में वाशिंग पाउडर निरमा गर्ल के चेहरे पर भारतीय जनता पार्टी में आये अन्य दलों के नेताओं का चेहरा लगाकर नया विवाद खड़ा कर दिया है।

बी.आर.एस.ने तंज कसते हुए पोस्टर के माध्यम से यह कहा है कि ऐसे नेता विभिन्न घोटालों से जुड़े होने के बावजूद अब किसी केंद्रीय एजेंसी के छापे का सामना नहीं कर रहे हैं। पोस्टर पर नीचे लिखा है,'अमित शाह का स्वागत'।

इसे राजनीतिक हलकों में विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच पोस्टर युद्ध छिड़ने का संकेत माना जा रहा है। शाह आज यहां के पास हकीमपेट में 54वें सी.आई.एस.एफ. स्थापना दिवस में भाग लेने के लिए शहर में थे।

बी.आर.एस.ने शाह का स्वागत करते हुए , निरमा गर्ल के चेहरे पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा, पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी, आंध्र प्रदेश के उद्योगपति सुजाना चौधरी और केंद्रीय मंत्री नारायण राणे का चेहरा लगाया गया है। इनमें से अधिकांश पर विभिन्न अनियमितताओं में आरोपों का सामना कर रहे थे।

शनिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) द्वारा दिल्ली आबकारी नीति मामले में बी.आर.एस. की विधान परिषद एम.एल.सी. और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता से पूछताछ की पृष्ठभूमि में पोस्टरों के माध्यम से भाजपा पर हमला किया गया है।

भाजपा में शामिल होने वाले और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जांच की जा रही घोटालों की जांच से बचने वाले राजनीतिक दलों की आलोचना करते हुए कल शहर भर में कई पोस्टर सामने आए जब कविता नई दिल्ली में ई.डी. के सामने पेश हुईं।

विभिन्न क्षेत्रों में 'बाय बाय मोदी' और उन्हें 'लोकतंत्र का विनाशक' और 'पाखंड के दादा' कहने वाले पोस्टर भी लगाए गए थे।

इन पोस्टरों में, ई.डी., सी.बी.आई., आई.टी., अदानी, ई.सी., डी.आर.आई., आई.बी., एन.सी.बी. और एन.आई.ए. नामक जांच एजेंसियों पर व्यंग्यात्मक ताने के साथ इन्हें रावण की तरह मोदी के सिर के रूप में चित्रित किया गया है।

कविता को ई.डी. के समक्ष पेश किया गया था और दिल्ली आबकारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने किया नरेंद्र से नरेंद्र तक पुस्तक का विमोचन

जयपुर, 12 मार्च (का.सं.)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी ने एक होटल में डॉ. बुद्धि प्रकाश शर्मा की पुस्तक 'नरेंद्र से नरेंद्र तक' का विमोचन किया।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि विश्व के

- **भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद डॉक्टर सुधांशु त्रिवेदी ने एक होटल में डॉ. बुद्धि प्रकाश शर्मा की पुस्तक 'नरेंद्र से नरेंद्र तक' का विमोचन किया।**

बदलते परिदृश्य में भारत की भूमिका और भारत जी 20 की अध्यक्षता के बारे में बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों के कारण आज भारत विश्व में अग्रणी राष्ट्रों में है। राजीव गांधी ने कहा था कि केंद्र सरकार जो पैसा भेजता है भ्रष्टाचार में चले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री मोदी ने लंदन में राहुल गांधी के संबोधन पर चुप्पी तोड़ी

मोदी ने कहा, कांग्रेस बस मेरी कब्र खोदने में लगी हुई है

- **प्रधानमंत्री मोदी ने कर्नाटक के मांड्या में रविवार को रोड शो करके भाजपा के लिए चुनाव प्रचार का शंखनाद किया।**
- **मोदी बैंगलुरु-मैसूर एक्सप्रैस-वे का उद्घाटन करने कर्नाटक गये हैं, वे साथ ही कर्नाटक में लगभग 16 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।**

मांड्या (कर्नाटक), 12 मार्च (वार्ता)। कर्नाटक में दो इंजन वाली सरकार की वकालत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर करारा निशाना साधते हुए कहा कि, प्रतिद्वंद्वी पार्टी उनकी मौत के सपने देखने में व्यस्त है, लेकिन वह कर्नाटक के विकास का सपना देखने में व्यस्त हैं।

मोदी ने यहां कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा,कांग्रेस मोदी की कब्र खोदने के सपने देखने में व्यस्त है, लेकिन मैं कर्नाटक के विकास के सपने देखने में व्यस्त हूं। मोदी की कब्र खोदने का सपना देखने वाले कांग्रेसी नहीं जानते कि मोदी का सबसे बड़ा सुरक्षा कवच देश की करोड़ों मां-बहनों का आशीर्वाद है।

मोदी ने कहा कि वर्ष 2014 में उनकी सरकार बनने के बाद से उन्होंने पूरी ईमानदारी से गरीबों की सेवा करने की कोशिश की और लगातार गरीबों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री ने कहा, 2014 में जब आपने मुझे वोट दिया और सेवा का अवसर दिया, तब देश में एक संवेदनशील सरकार बनी जो गरीबों के दर्द और पीड़ा को समझती है। इसके बाद भाजपा की केंद्र सरकार ने गरीबों की सेवा करने का प्रयास किया। पूरी ईमानदारी से। गरीबों के जीवन में आने वाली मुश्किलों को कम करने का लगातार प्रयास किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कर्नाटक के मांड्या में रविवार को रोड शो करके भाजपा के लिए चुनाव प्रचार का शंखनाद किया। रोड शो के दौरान लोगों में काफी उत्साह देखा गया। लोगों ने 'मोदी-मोदी' के नारों के साथ प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन पर फूलों की वर्षा की। इस दौरान इलाके में पांच हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

मोदी बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेलंगाना के मु.मंत्री की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली, 12 मार्च। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की तबीयत बिगड़ने की खबर आ रही है। मीडिया में आई जानकारी के अनुसार आज सुबह उनके पेट में दर्द उठा, जिसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताले में भर्ती कराया गया। जहां जांच में मालूम हुआ है कि उनके पेट में अल्सर बन गया है, जिसके बाद डॉक्टरों की एक टीम ने तुरंत उनका

- **जांच में मालूम हुआ है कि, मु.मंत्री के.सी.आर. के पेट में अल्सर बन गया है उनका तेलंगाना के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।**

ईलाज शुरू कर दिया। वहीं ए.आई.जी. अस्पताल प्रशासन ने के.सी.आर. का हैल्थ बुलेटिन जारी करते हुए बताया कि पेट में दर्द की शिकायत के बाद डॉक्टर नागेश्वर रेड्डी की टीम ने उनकी जांच की। इस दौरान उनके पेट में एक छोटा सा अल्सर निकला, जिसके बाद उन्हें उचित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नागालैण्ड में भाजपा के साथ गठबंधन करेंगे शरद पवार

नागालैण्ड में सुगबुगाहट है कि, एन.सी.पी. के जीते हुये सभी 7 विधायक भाजपा की तरफ पहले से ही झुके हुये हैं अतः शरद पवार ने भी गठबंधन के लिए हामी भरना ही मुनासिब समझा

- **एन.सी.पी. के इस फैसले से महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) के भीतर कुछ सुगबुगाहट शुरू हो गई है।**

नई दिल्ली, 12 मार्च। नागालैण्ड में एन.डी.पी.पी.-भाजपा गठबंधन में शरद पवार की नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) शामिल होने जा रही है। गठबंधन में शामिल होने के एन.सी.पी. के फैसले से महा विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) के भीतर कुछ सुगबुगाहट शुरू हो गई है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि एन.सी.पी. ने नागालैण्ड में गठबंधन में शामिल होने का फैसला इसलिए लिया, क्योंकि एन.सी.पी. के सात नवनिर्वाचित विधायकों में से अधिकांश नेफ्यू रियो के नेतृत्व वाली सरकार हिस्सा बनना चाहते हैं। रियो पांचवीं बार पूर्वोत्तर राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं।

एन.सी.पी. के पूर्वोत्तर प्रभारी नरेंद्र वर्मा ने एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार को नागालैण्ड विधायक दल की भावनाओं से अवगत कराया। अगर पार्टी ने नागालैण्ड में विपक्ष में बैठने का फैसला किया होता, तो उसे विभाजन का डर था। एन.सी.पी. सूत्रों ने बताया कि एन.सी.पी. के सभी विधायकों के भाजपा में शामिल होने की भी संभावना है। क्योंकि एक पुरानी कहावत है कि यदि आप उन्हें हरा नहीं सकते हैं तो उनके साथ शामिल हों। इसी के तहत शरद पवार ने अपनी पार्टी के विधायकों को गठबंधन में शामिल होने की अनुमति देने का फैसला किया, क्योंकि उन्हें पता था कि बाद वाले को विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए राजी करना व्यर्थ होगा। पवार का छह दशक लंबा राजनीतिक करियर इस तरह के हथकंडों से भरा पड़ा है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर राकांपा से अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, राजनीति धारणा का जिक्र करते हुए कहा कि एन.सी.पी. को नागालैण्ड जैसे छोटे राज्यों में अपनी वैचारिक स्थिति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'शासन की अकर्मण्यता से जनप्रतिनिधियों पर हमले बढ़ रहे हैं'

जयपुर, 12 मार्च (का.सं.)। भाजपा प्रदेश प्रभारी सांसद अरूण सिंह ने पुलवामा मे शहीद हुऐ वीर सैनिकों की वीरांगनाओं के अधिकार और सम्मान की लड़ाई के दौरान पुलिस दुर्व्यवहार मे घायल हुए भाजपा सांसद

- **भाजपा प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने वीरांगनाओं की हक की लड़ाई में भाजपा नेताओं के साथ हुये पुलिस दुर्व्यवहार का मुद्दा उठाया।**

डा. किरोड़ीलाल से मुलाकात करने जयपुर एस.एम.एस. अस्पताल पहुंच कर डॉ.मीणा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों से भी उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

अस्पताल में प्रभारी अरूण सिंह ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

समलैंगिक विवाह के खिलाफ केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा पेश किया

केंद्र ने कहा, प्रकृति में विषमलैंगिक तक सीमित विवाह की वैधानिक मान्यता पूरे इतिहास में आदर्श है और देश और समाज के अस्तित्व और निरंतरता दोनों के लिए ये मूलभूत सिद्धांत है

- **सुप्रीम कोर्ट 13 मार्च को यानी आज समलैंगिक विवाह की कानूनी वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगा।**

नई दिल्ली, 12 मार्च। केंद्र सरकार ने समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग वाली याचिकाओं का सुप्रीम कोर्ट में कड़ा विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट में अपने जवाबी हलफनामे में, केंद्र सरकार ने कहा कि, आई.पी.सी. की धारा 377 को डिक्रिमिनलाइज़ करने से समलैंगिक (होमो सैक्सुअल) विवाह को मान्यता देने का दावा नहीं हो सकता है। केंद्र ने कहा कि प्रकृति में विषमलैंगिक तक सीमित विवाह की वैधानिक मान्यता पूरे इतिहास में आदर्श है और देश और समाज के अस्तित्व और निरंतरता दोनों के लिए ये मूलभूत सिद्धांत है। केंद्र सरकार के लाइव लॉ द्वारा दायर किए गए जवाबी हलफनामे में कहा गया है कि, "इसलिए, इसके सामाजिक मूल्य को ध्यान में रखते हुए, केवल विवाह/संघों के अन्य रूपों के बहिष्कार के लिए विषमलैंगिक विवाह को ही मान्यता दी जानी चाहिए।"

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने के खिलाफ हलफनामा दायर किया है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि समलैंगिक संबंध और विषमलैंगिक संबंध स्पष्ट रूप से अलग-अलग हैं जिन्हें समान नहीं माना जा सकता है।

केंद्र ने कहा कि "यह प्रस्तुत किया गया है कि इस स्तर पर यह पहचानना आवश्यक है कि विवाह या संघों के कई अन्य रूप हो सकते हैं या समाज में व्यक्तियों के बीच संबंधों की व्यक्तिगत समझ हो सकती है, देश में विवाह की मान्यता को विषमलैंगिक रूप तक सीमित करता है। हम ये नहीं कह रहे हैं कि विवाह के इन अन्य रूपों या संघों या समाज में व्यक्तियों के बीच संबंधों की व्यक्तिगत समझ गैरकानूनी नहीं हैं।"

केंद्र ने समान-लिंग विवाह का विरोध करने के लिए सामाजिक संगठनों का हवाला दिया और कहा कि एक मानक स्तर पर, समाज में परिवार की छोटी इकाइयां होती हैं जो मुख्य रूप से एक विषम रिश्ते के प्रति ही संगठित होती हैं। "समाज के बिल्डिंग ब्लॉक का यह संगठन बिल्डिंग ब्लॉक्स यानी परिवार इकाई की निरंतरता पर आधारित है," जबकि समाज में संघों के अन्य रूप भी मौजूद हो सकते हैं जो गैरकानूनी नहीं होंगे, यह एक समाज के लिए खुला है कि वह एक ऐसे संघ के रूप को कानूनी मान्यता दे जिसे समाज अपने अस्तित्व के लिए सर्वोत्कृष्ट निर्माण कर सकता है और समाज इसे मानता है। केंद्र ने जोर देकर कहा कि समान-सेक्स विवाहों को मान्यता न

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फ्रांस की नौसेना के साथ भारत का समुद्री साझेदारी अभ्यास

नयी दिल्ली, 12 मार्च (वार्ता) भारतीय नौसेना ने फ्रांसीसी नौसेने का साथ अरब सागर में इस सप्ताह समुद्री साझोदारी का दो दिन का एक अभ्यास पूरा कर लिया है। रक्षा मंत्रालय की रविवार को जारी एक विज्ञप्त में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि भारत के स्वदेश निर्मित गाइडेड मिसाइल युद्धक पोत आईएनएस सह्याद्री जहाज ने 10 - 11 मार्च 2023 को अरब सागर में फ्रांस की नौसेना के दो युद्धपोतों -एम्फीबियस असॉल्ट शिप (उभयचर आक्रामक पोत) एफएस डिक्समय्यूइड और एफएस ला फेयेट के साथ समुद्री साझेदारी अभ्यास (एमपीएक्स) में भाग लिया।

विज्ञप्ति के अनुसार इस अभ्यास में समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में विकासात्मक परिवर्तन के एक व्यापक स्पेक्ट्रम को परखा गया, जिसमें क्रॉस डेक लैंडिंग, बोर्डिंग अभ्यास और सीमैनशिप विकास जैसी गतिविधियों को शामिल किया गया था। अभ्यास के निर्बाध संचालन ने दोनों नौसेनाओं के बीच पारस्परिकता एवं उच्च स्तर के सहयोग की पुष्टि की।